18

सुनें कहानी

शेर और चूहे की दोस्ती

QRickit
0222CH18

शेर मतवाली चाल से चला जा रहा था।

अचानक उसे एक हल्की-सी चीख सुनाई दी।
एक चूहे की पूँछ उसके पंजे के नीचे
आ गई थी।

© NCERT not to be republished

शेर ने अपना पैर हटाया, चूहा फुदककर झाड़ियों में चला गया।
एक दिन शिकारी ने शिकार पकड़ने के लिए जाल बिछाया।
उस जाल में शेर फँस गया। वह ज़ोर-ज़ोर से दहाड़ने लगा।
जंगल में रहने वाले हाथी, भालू, हिरण, खरगोश, लोमड़ी,

© NCERT not to be republished

बंदर और अजगर समेत सभी पशु-पक्षियों ने दहाड़ सुनी पर कोई भी शेर की सहायता को नहीं आया।

हाँ, चूहा ज़रूर भागा-भागा वहाँ आया। वह अपने पैने दाँतों से जल्दी-जल्दी जाल कुतरने लगा। कुछ ही पल में सारा जाल कट गया और शेर आज़ाद हो गया।

—*जगदीश जोशी*

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत – बच्चों को कहानी पढ़कर सुनाइए और उसके बाद दिए गए चर्चा प्रश्नों के आधार पर बातचीत कीजिए। यहाँ चर्चा का उद्देश्य केवल इतना भर है कि बच्चे सोचें और बिना झिझके अपने विचारों की अभिव्यक्ति करें। किसी भी चर्चा प्रश्न का कोई एक सटीक उत्तर नहीं है। बच्चे जो भी उत्तर दें उन्हें धैर्यपूर्वक सुनिए और उन्हें बोलने के लिए प्रोत्साहित कीजिए। सभी बच्चों को बातचीत में भाग लेने के समान अवसर दिए जाने चाहिए। जहाँ तक संभव हो बच्चों को अपनी भाषा में बातचीत के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

बातचीत के लिए

1. क्या आप एक-दूसरे की सहायता करते हैं? कैसे?
2. शेर के दाँत भी तो पैने होते हैं तो फिर उसने खुद ही जाल क्यों नहीं कुतर डाला?

शब्दों का खेल

1. याद कीजिए कि कहानी में किसने क्या किया और नीचे दिए गए वाक्यों को पूरा कीजिए –

शेर
चूहा
शिकारी

.... मतवाली चाल से चला जा रहा था।

.... ने अपना पैर हटाया।

.... ने शिकार पकड़ने के लिए जाल बिछाया।

.... भागा-भागा वहाँ आया।

2. इस कहानी से हमने जाना कि चूहा अपने मित्र शेर को बचाने के लिए जाल कुतर सकता है। बताइए कि दिए गए जानवर अपने मित्रों के लिए क्या-क्या कर सकते हैं –

चूहा — जाल कुतर सकता है

बिल्ली — ....

बंदर — ....

मछली — ....

चिड़िया — ....

शेर — ....

शिक्षण-संकेत – इस गतिविधि का उद्देश्य है कि बच्चे स्वयं से अनुमान करें कि अलग-अलग जानवर क्या कर सकते हैं। बच्चे जो भी उत्तर दें उन पर बातचीत कीजिए कि उन्हें ऐसा किस कारण से लगता है।

© NCERT not to be republished

3. आपके सबसे अच्छे मित्र का नाम क्या है? आप उसके साथ क्या-क्या करते हैं?

....

....

....

....

4. 'मित्र' शब्द में 'त्र' आया है। नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं जिनमें 'त्र' आया है। उन शब्दों को छाँटकर नीचे लिखिए –

पत्र, दोस्त, पात्र, कमल, त्रिकोण, त्रिशूल, मक्खी, अचार, वस्त्र

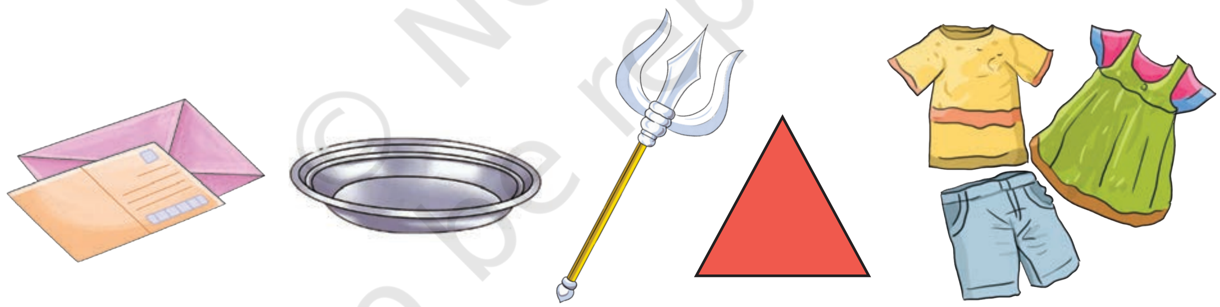

(i) .... (ii) .... (iii) ....

(iv) .... (v) ....

शिक्षण-संकेत – बच्चों को अभी औपचारिक रूप से 'त्र' नहीं सिखाया गया है। अगर वे कोई शब्द नहीं सोच पा रहे हैं तो उनकी सहायता कीजिए। सीधे शब्द बताने की जगह उन्हें संकेत देना बेहतर रहेगा।

© NCERT not to be republished

पहेली

बिना पंख ही उड़ जाती,
बाँध गले में डोर।
खींचो तो ऊपर चढ़ जाती,
रहे हाथ में छोर।

....

एक थाल मोती से भरा,
सिर के ऊपर औंधा धरा।
जैसे-जैसे थाल फिरे,
मोती उससे एक न गिरे।

....

चार पाँव पर चल न पाऊँ,
बिना हिलाए हिल न पाऊँ।
फिर भी सबको दूँ आराम,
झटपट बोलो मेरा नाम।

....

— साभार, जयप्रकाश भारती, एन.सी.ई.आर.टी.

खेल-खेल में

ठंडी जगहों पर याक ही हमारा सच्चा मित्र है। आज वह अपने घर का रास्ता भूल गया है। उसे उसके घर पहुँचने में सहायता कीजिए –

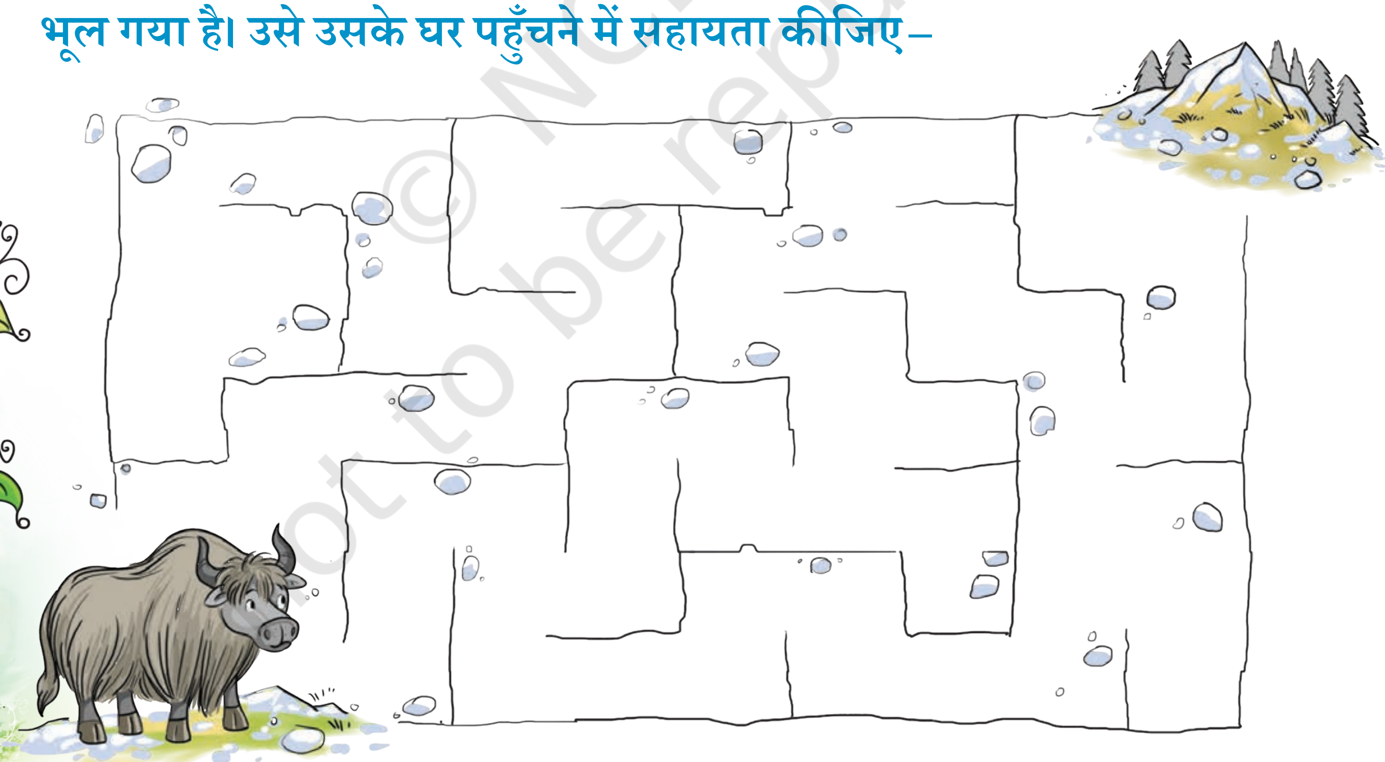

© NCERT not to be republished

मिलकर पढ़िए

राजू और मीना दोनों मित्र हैं और साथ में बस से विद्यालय जाते हैं। एक दिन, बस से विद्यालय जाते समय एक बड़ा लड़का उन दोनों को चिढ़ाने लगा। वे दोनों डर गए और रोने लगे। उन्हें असुरक्षित लगा।

असुरक्षित

जब हमारे आस-पास कोई खतरा हो या जब कोई हमें नुकसान या चोट पहुँचाने का प्रयत्न करे, तब हम अपने को असुरक्षित महसूस करते हैं।

सुरक्षित

जब हमारे आस-पास कोई खतरा न हो या जब कोई हमें नुकसान या चोट न पहुँचाए, तब हम अपने को सुरक्षित महसूस करते हैं।

© NCERT not to be republished

यहाँ पर कुछ उदाहरण दिए गए हैं। आपको राजू और मीना को यह बताने में सहायता करनी है कि कौन-सा उदाहरण सुरक्षित है और कौन-सा असुरक्षित।

सुरक्षित के लिए (✓) का चिह्न लगाइए और असुरक्षित के लिए (✗) का चिह्न लगाइए –

1. आपके पिताजी आपके साथ खेल रहे हैं। ( )
2. आपका मित्र आपको मारता है। ( )
3. बाज़ार जाते समय आपकी माँ के हाथ से आपका हाथ छूट जाता है। ( )

चित्र और बातचीत

खेल-कूद

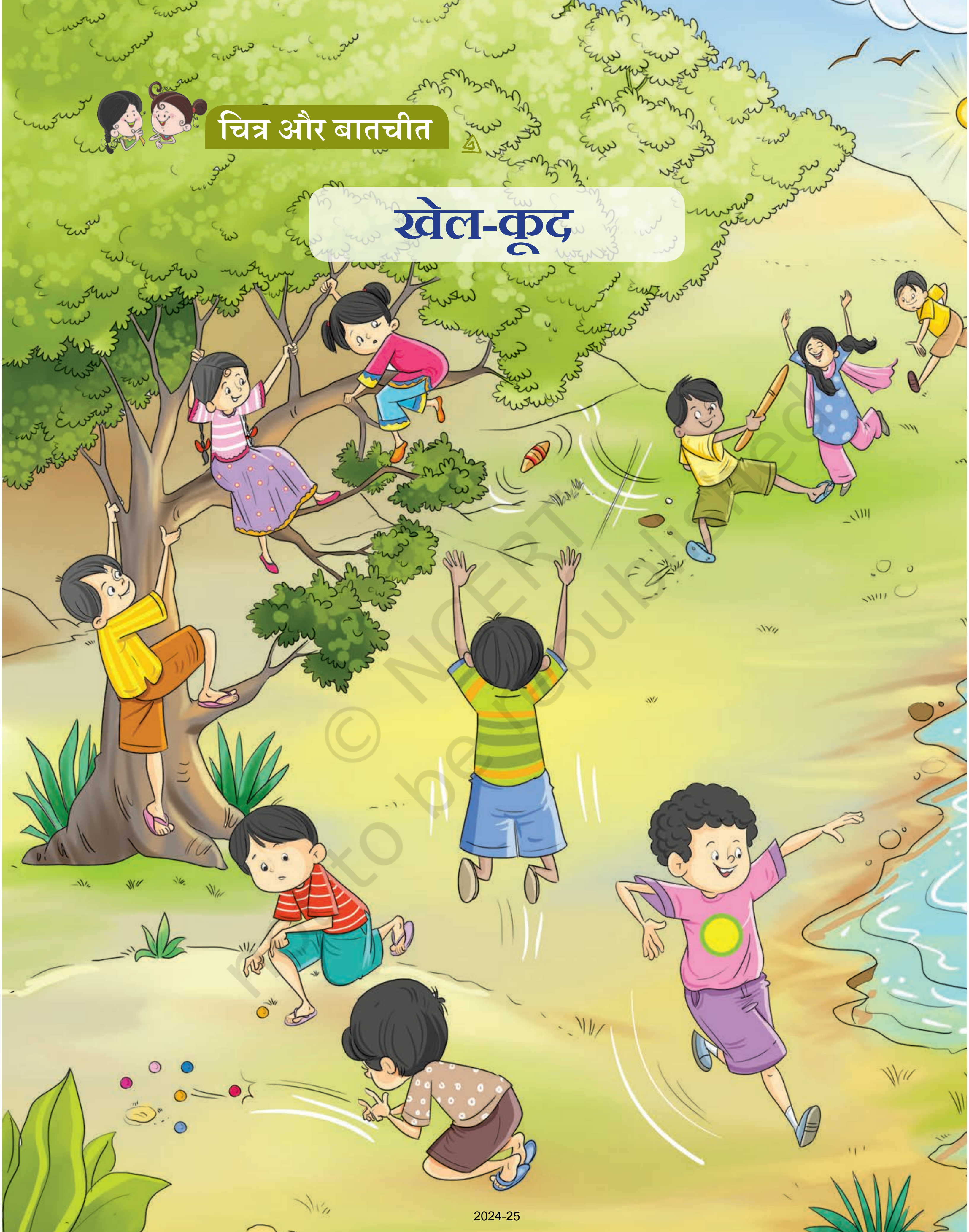

© NCERT not to be republished

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. चित्र में कितने बच्चे दिख रहे हैं?
2. इस चित्र में बच्चे कौन-कौन से खेल खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं?
3. इन खेलों के अलावा और कौन-से खेल आपने खेले हैं? उनके नाम और खेलने का तरीका बताइए।

शब्दों का खेल

चित्र में बहुत से खेल दिखाई दे रहे हैं। कुछ खेलों को अकेले खेला जाता है, कुछ को दो लोगों के जोड़े में और कुछ को खेलने के लिए बड़े समूह की आवश्यकता होती है।

1. चित्र को देखकर बताइए कि कौन-कौन से खेल खेलने के लिए कितने लोगों की आवश्यकता होती है –

	खेल	खेलने वालों की संख्या
अकेले खेले जाने वाले —	....	....
दो के जोड़े में खेले जाने वाले —	....	....
समूह में खेले जाने वाले —	....	....

2. आप मित्रों के साथ कौन-सा खेल खेलना पसंद करते हैं, उस खेल को कैसे खेलते हैं? लिखिए –

....

....

....

© NCERT not to be republished

19

मिलकर पढ़िए

आउट

छुट्टी का दिन था। जीत और बबली सुबह से खेल रहे थे। उन्होंने कई सारे खेल खेले।

दोनों ने रस्सी कूदी।

फिर छुपन-छुपाई खेली।

उसके बाद गिल्ली-डंडा खेला।

© NCERT not to be republished

2024-25

बबली ने क्रिकेट खेलने के लिए कहा। जीत गेंद फेंकने के लिए तैयार हो गया। जीत ने गेंद फेंकी। बबली ने ज़ोर से बल्ला घुमाया। गेंद मोहित के आँगन में चली गई।

मोहित के घर ताला लगा हुआ था। जीत और बबली का खेल रुक गया। बबली बोली कि उसे गेंद बनानी आती है। उसने जीत से कपड़े, कागज़ और पन्नी लाने को कहा। वह खुद भी ये सब ढूँढ़ने लगी। दोनों ने खूब सारी कतरनें और पन्नियाँ इकट्ठी कर लीं। बबली सुतली का टुकड़ा भी ले आई।

बबली ने उन सबको मिलाकर एक
गोला बनाया।
गोले को सुतली से कस दिया।
दोनों की पसंद की गेंद बन गई।

खेल फिर से शुरू हो गया। इस बार बबली ने
गेंद उठाई। जीत ने बल्ला उठाया।
बबली ने गेंद फेंकी।
जीत ने ज़ोर से बल्ला
घुमाया। गेंद खुलकर
हवा में फैल गई।

बबली ने उछलकर एक कपड़ा पकड़ लिया। बबली उछल-उछलकर
आउट-आउट चिल्लाने लगी।
वह हाथ में कपड़ा लेकर
आउट-आउट कहते
हुए दौड़ी।

— साभार, बरखा क्रमिक पुस्तकमाला, एन.सी.ई.आर.टी.

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

बातचीत के बाद इन प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखिए –

1. जीत और बबली ने कौन-कौन से खेल खेले?
2. आप कौन-कौन से खेल खेलते हैं और किसके साथ खेलते हैं?
3. बबली ने गेंद बनाने में कौन-कौन सी वस्तुओं का उपयोग किया?
4. अगर आप अंपायर होते तो क्या जीत को आउट देते?

शब्दों का खेल

1. कहानी की घटनाओं को देखिए। उन्हें सही क्रम से लगाने के लिए अंकों को शब्दों में लिखिए –

© NCERT not to be republished

2. नीचे दिए गए खेलों के बारे में जानकारी इकट्ठी कीजिए और लिखिए –

खेल का नाम	आप किस नाम से जानते हैं?
कबड्डी	....
छुपन-छुपाई	....
पिट्ठू	....
गिल्ली-डंडा	....
कंचा	....

खोजें-जानें

अखबार में से खोजकर अपनी पसंद के किन्हीं दो खिलाड़ियों के चित्र काटकर नीचे दी गई जगह पर चिपकाइए। घर में किसी बड़े व्यक्ति से इन खिलाड़ियों के बारे में पूछकर आइए और कक्षा में इन खिलाड़ियों के बारे में बताइए –

© NCERT not to be republished

2024-25

खेल गीत

पोषम पा भई पोषम पा,
सा रे गा मा सा रे गा
आओ मिलकर खेलें खेल
छुपन-छुपाई छुक-छुक रेल
हँसना है मुस्काना है
फूलों-सा खिल जाना है

—साभार, एकलव्य

खेलों के नाम को उनके लिए आवश्यक वस्तुओं से मिलाइए–

बैडमिंटन 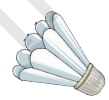

गिल्ली-डंडा

कंचा

क्रिकेट

फुटबॉल

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत – बच्चों को खेल गीत पढ़कर सुनाइए और उसके बाद अपने साथ गाने को कहिए। अगर पर्याप्त स्थान हो तो बच्चों को यह खेल भी खेलने दे सकते हैं। यह सुनिश्चित करें कि खेल में सभी बच्चों को भाग लेने के समान अवसर मिलें।

मिलकर पढ़िए

खेल सन्ध्या

सन्ध्या को हम खेलने जाते,
मित्रों संग आनन्द मनाते।
कभी दौड़ना और उछलना,
कभी गेंद के खेल खेलना।
कभी कबड्डी, खो-खो खेलें,
गुट्टे, आँख-मिचौनी खेलें।
गिल्ली-डंडा सबको भाता,
सतोलिया भी मज़ा दिलाता।
या फिर पेड़ों पर जा चढ़ना,
या हँस हँस के बातें करना।
जब अंधेरा होने लगता,
सबको कुछ डर लगने लगता।
तब हम घर को वापस आते,
कल खेलेंगे यह कह जाते।

—राकेश चन्द्र

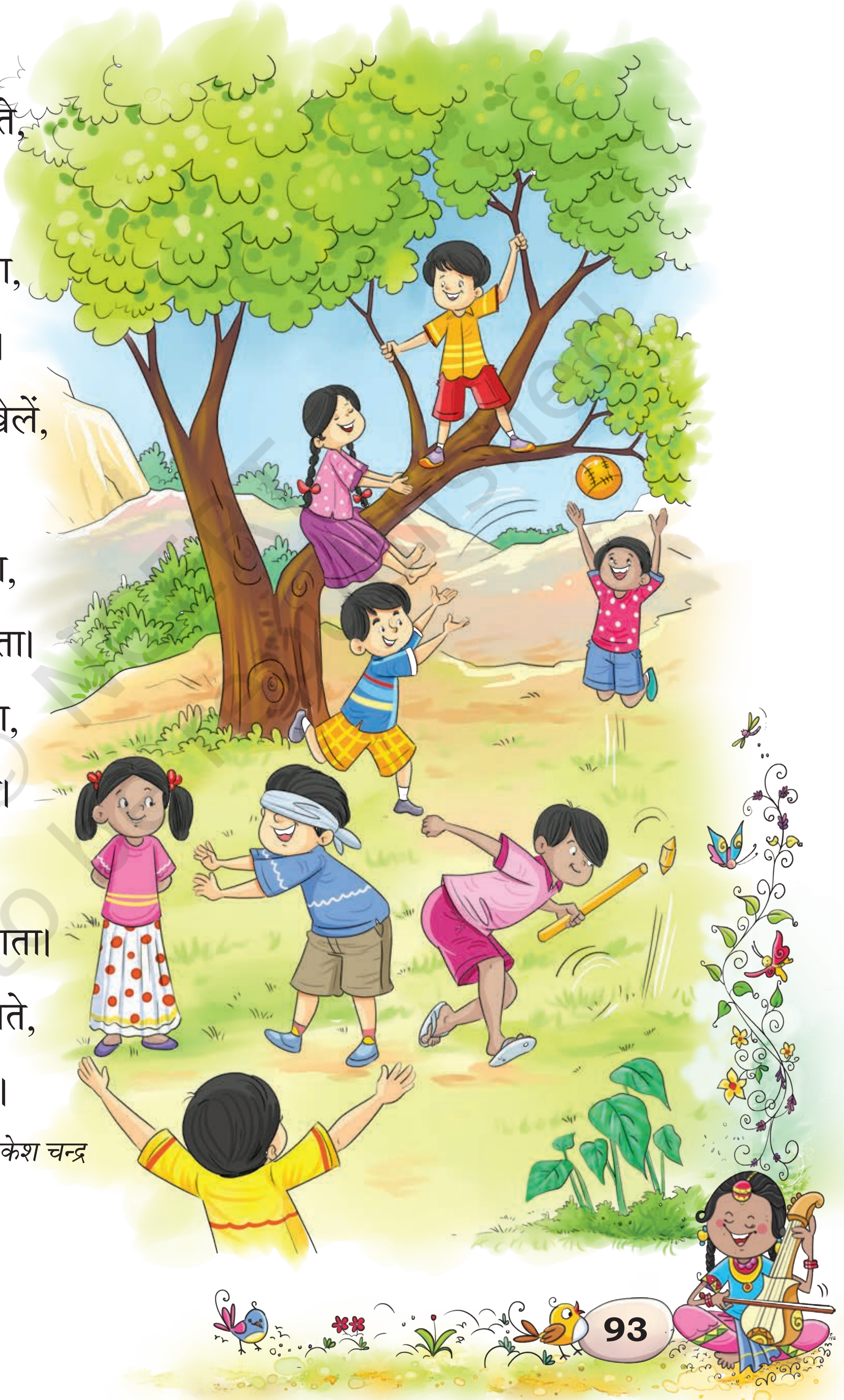

मित्रों के साथ

शिक्षण-संकेत – बच्चों से चित्र में दर्शाए गए कामों— नृत्य करना, तबला बजाना, ताली बजाते हुए उत्साहवर्धन करना, आनंदित होना आदि के बारे में बातचीत कीजिए। बच्चों को उनके स्थानीय नृत्य, गीत, वाद्य यंत्रों के बारे में बताने के लिए प्रोत्साहित कीजिए। बच्चों की भाषा में लोकगीतों को गाने के लिए, मिलकर लोक नृत्य करने के लिए और लोक वाद्य यंत्रों को कक्षा में बजाने के लिए आमंत्रित कीजिए। इससे बच्चों की स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

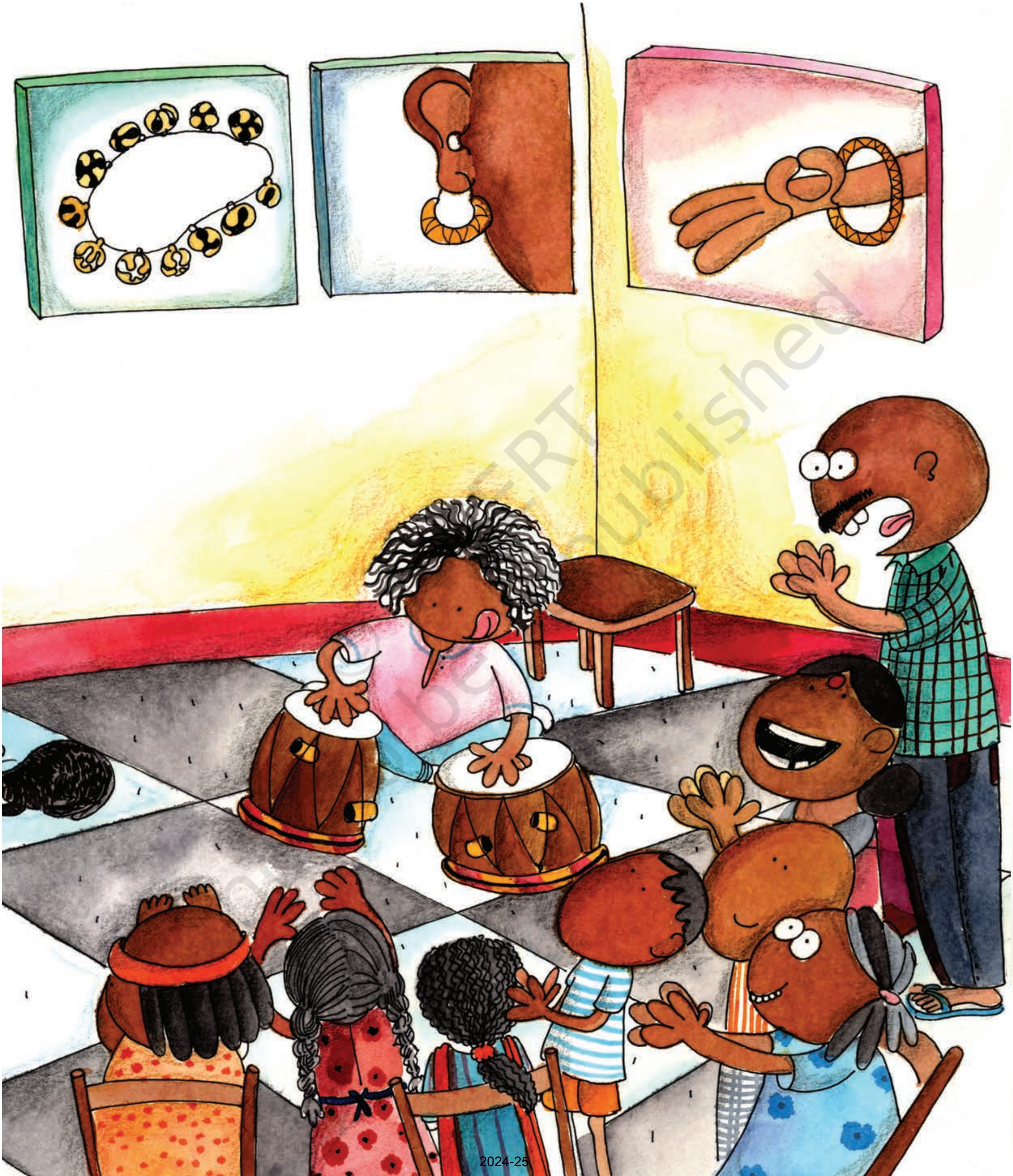

20

मिलकर पढ़िए

छुपन-छुपाई

एक दिन सब छुपन-छुपाई खेल रहे थे। उस दिन जीत की बारी थी। जीत सौ तक गिनकर सबको ढूँढ़ने निकला।

© NCERT not to be republished

2024-25

मोहित दरवाज़े के पीछे मिल गया।

जीत सबको कमरे में ढूँढ़ने लगा। बबली अलमारी के पीछे मिल गई।

© NCERT not to be republished

मारिया पलंग के नीचे मिल गई। उसके बाद जीत आँगन की तरफ़ गया।

सिमरन दादी के पीछे मिल गई। जीत नाज़िया को आँगन में ढूँढ़ने लगा।

जीत ने नाज़िया को चादर के पीछे ढूँढ़ा।

फिर जीत नाज़िया को ढूँढ़ने के लिए बाहर आया। वह पेड़ के नीचे खड़ा होकर सोचने लगा।

नाज़िया ने ऊपर से कूदकर उसे धप्पा दिया।

जीत दुबारा गिनती गिनने चल दिया।

— साभार, बरखा क्रमिक पुस्तकमाला, एन.सी.ई.आर.टी.

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. आप अपने घर में कहाँ-कहाँ छिप सकते हैं?
2. अगर खेलते हुए आपको चोट लग जाए तो आप क्या करेंगे?
3. अगर आप खेल में हार जाते हैं तो क्या करते हैं?

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखिए –

1. जीत ने कितने बच्चों को ढूँढ़ लिया?
2. कौन-कौन कहाँ मिल गया?
3. छुपन-छुपाई में धप्पा कब बोलते हैं?

छुपन-छुपाई

1. कौन किसके पीछे छिप सकता है और कैसे?
2. कौन किसी के भी पीछे नहीं छिप सकता और क्यों?

© NCERT not to be republished

मेरी कहानी

आपने 'छुपन-छुपाई' कहानी पढ़ी। अब आप अपनी कहानी लिखने का प्रयास कीजिए–

आप इस तरह से शुरुआत कर सकते हैं।

मैं अपने मित्रों के साथ .... खेलता हूँ / खेलती हूँ। ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

शिक्षण-संकेत – बच्चों के साथ तरह-तरह के खेलों और उनकी पसंद के खेलों के बारे में बातचीत कीजिए। उनके अनुभव के आधार पर उन्हें इस कहानी को लिखने के लिए प्रोत्साहित कीजिए। उन्हें अपनी कहानी पढ़कर सुनाने का अवसर अवश्य दीजिए।

© NCERT not to be republished

शब्दों का खेल

शब्द अंत्याक्षरी

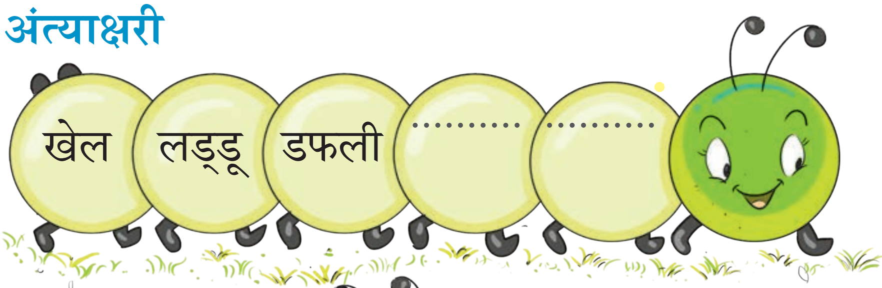

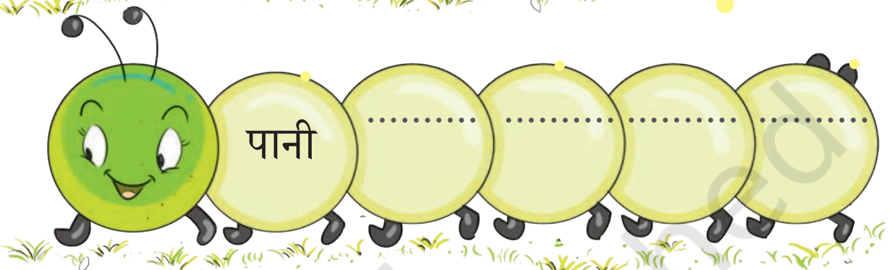

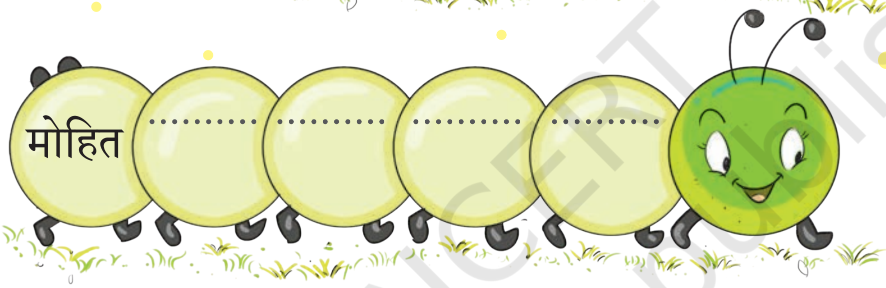

सोचिए और लिखिए

नीचे दिए गए खिलाड़ियों को पहचानकर उनके नाम लिखिए –

....

....

....

शिक्षण-संकेत – शब्द अंत्याक्षरी में बच्चे संज्ञा, विशेषण, क्रियापद भी बता सकते हैं। ये शब्द उनकी मातृभाषा से भी हो सकते हैं। खिलाड़ियों की पहचान करने में बच्चों की सहायता करें।

© NCERT not to be republished

21

आनंदमयी कविता

हाथी साइकिल चला रहा था

हाथी साइकिल चला रहा था,
पीछे चींटी बैठी थी,
झूम रहा था हवा में हाथी,
चींटी शान से ऐंठी थी।

तभी चढ़ाई सीधी आई,
लगे हाँफने हाथी दद्दा,
चरर-मरर-चूँ रुकी साइकिल,
लगा सरकने पीछे चक्का।

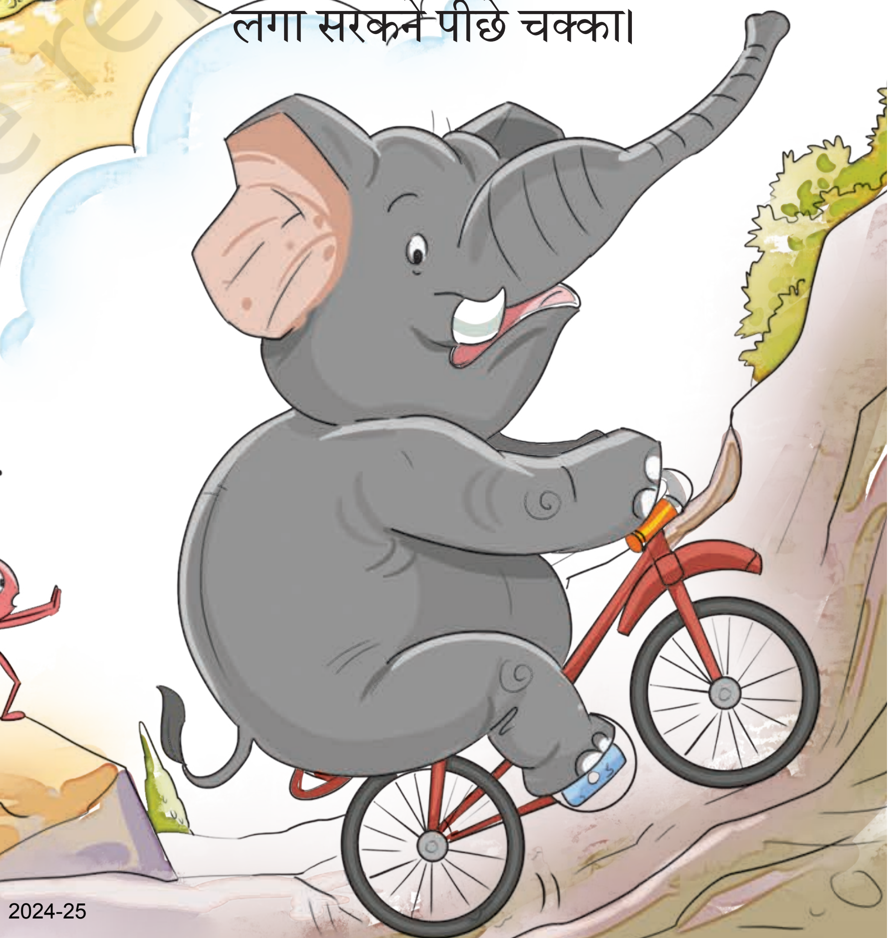

चींटी चट कूदी साइकिल से,
बोली-मत घबराना दद्दा,
आप पाँव पैडल पर मारो,
मैं हूँ न, देती हूँ धक्का!

—श्याम सुशील

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

आइए, इस कविता पर एक कहानी बनाएँ। दिए गए खाली स्थान को भरकर कहानी पूरी कीजिए –

हाथी .... चला रहा था, उसके पीछे .... बैठी थी। हाथी मज़े से .... था और चींटी .... थी। आगे सीधी .... आई और साइकिल चलाते-चलाते हाथी .... लगा। साइकिल .... की आवाज़ करती हुई रुक गई और उसका .... सरकने लगा। हाथी की सहायता करने के लिए चींटी चट से .... कूदी और उसने हाथी को कहा कि .... आप बिलकुल भी मत ....। आप बस पैडल पर अपने .... मारो, मैं हूँ न, मैं .... धक्का।

मेरी कहानी

इस कविता में भी एक कहानी छुपी है, आप उस कहानी को आगे बढ़ाइए –

चींटी ने साइकिल को ज़ोर से धक्का दिया। पर साइकिल आगे ही नहीं बढ़ रही थी।

....

....

....

© NCERT not to be republished

कहानी लिखिए

ऊपर दिए गए चित्रों में एक कहानी छुपी है। छुपी कहानी को अपने शब्दों में लिखिए।

शिक्षण-संकेत – सभी बच्चे कहानी लिखने का प्रयास करेंगे। यह स्वतंत्र लेखन का शुरुआती समय है इसलिए बच्चे वर्तनी, वाक्य-विन्यास की काफ़ी गलतियाँ कर सकते हैं। शुरुआत में उनकी गलतियों को नज़रअंदाज़ करना ठीक होगा। फिर उनसे बात करके उन्हें स्वयं गलतियाँ ठीक करने को कह सकते हैं। बच्चों से यह भी अपेक्षित नहीं है कि वे किसी परिचित/ पहले से सुनी कहानी को हुबहू लिख दें। वे इसमें अपनी कल्पना से कुछ जोड़ सकते हैं या पूरी कहानी ही बदल सकते हैं। यहाँ आवश्यक बात यह है कि बच्चे स्वयं से कल्पना करें और उसे लिखने का प्रयास करें।

© NCERT not to be republished

डरो मत!

नरेंद्र को चंपक का पेड़ बहुत पसंद था। चंपक के पेड़ पर लटककर झूलना उन्हें और भी पसंद था। चंपक का यह पेड़ उनके मित्र के घर लगा था।

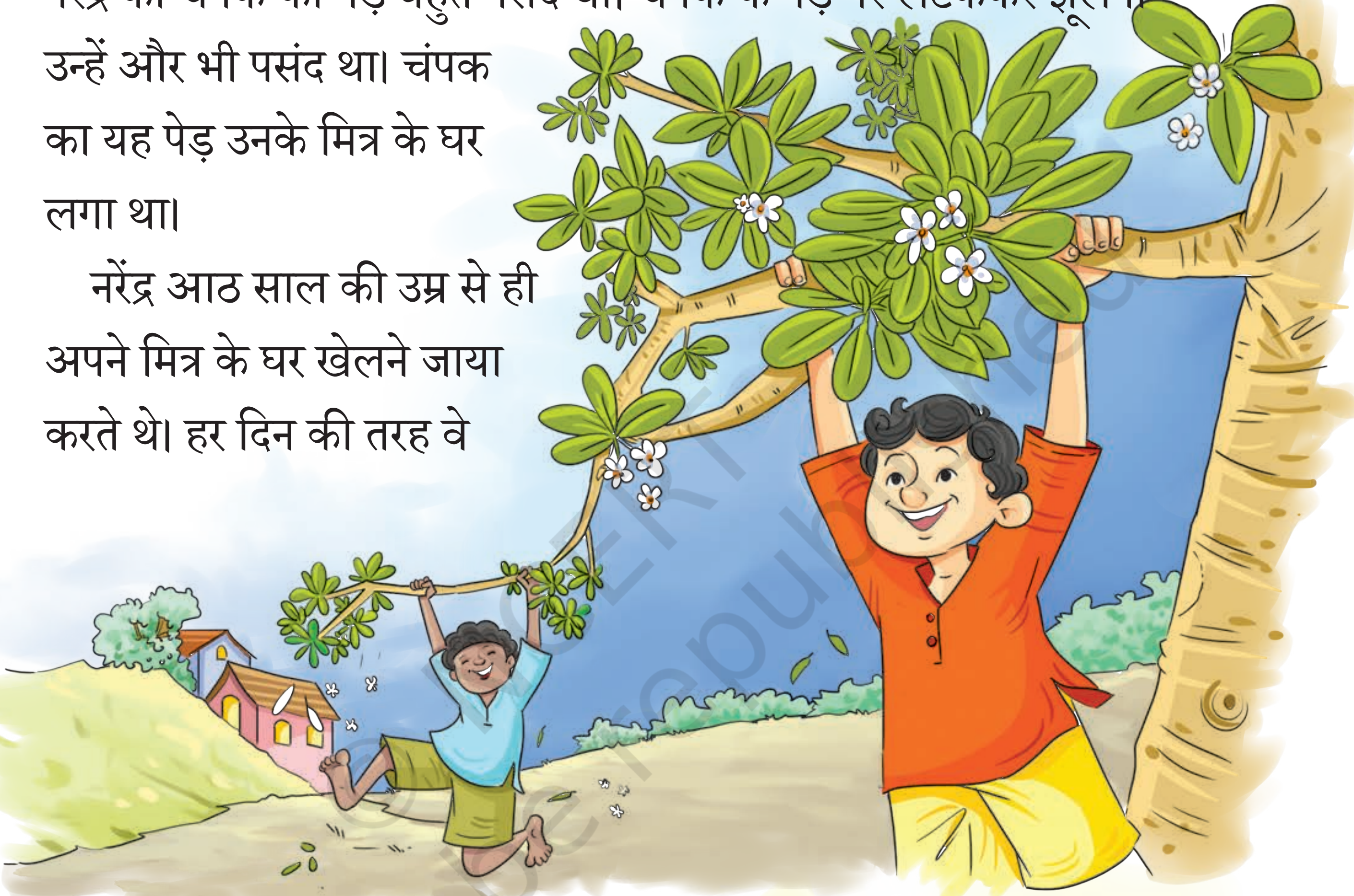

नरेंद्र आठ साल की उम्र से ही अपने मित्र के घर खेलने जाया करते थे। हर दिन की तरह वे चंपक के पेड़ पर झूल रहे थे। तभी उनके मित्र के दादाजी वहाँ आए और बोले – " नरेंद्र, पेड़ से उतरो। दुबारा इस पेड़ पर मत चढ़ना।"

© NCERT not to be republished

"क्यों दादाजी?"

" इस पेड़ पर एक दैत्य रहता है।"

" उस दैत्य के बारे में कुछ बताइए न, दादाजी!"

दादाजी को डर था कि कहीं पेड़ की डाल टूट गई तो नरेंद्र पेड़ से गिर पड़ेंगे और उन्हें चोट लग जाएगी।

दादाजी ने बताया, " वह दैत्य बहुत डरावना है।"

दादाजी की बात सुनकर नरेंद्र को अचरज हुआ। वे बोले, "दादाजी दैत्य के बारे में और बताइए न!"

"वह पेड़ पर चढ़ने वालों की गर्दन तोड़ देता है।"

नरेंद्र दादाजी की सारी बातें ध्यान से सुन आगे बढ़ गए। यह देख दादाजी मुस्कुराए और वे भी आगे बढ़ गए। उन्हें लगा कि बालक दैत्य की बात सुनकर डर गया है। अब वह पेड़ पर नहीं चढ़ेगा।

© NCERT not to be republished

लेकिन दादाजी जैसे ही कुछ आगे बढ़े, नरेंद्र फिर से पेड़ पर चढ़ गए और डाल पर झूलने लगे।

यह देख उनका मित्र जोर से चीखा, "नरेंद्र, तुमने दादाजी की बात नहीं सुनी? वह दैत्य तुम्हारी गर्दन तोड़ देगा।"

नरेंद्र ने हँसकर कहा, "तुम भी कितने भोले हो! अगर दादाजी की बात सच होती तो मेरी गर्दन टूट चुकी होती। लेकिन ऐसा हुआ क्या?"

"नहीं तो।"

"यही तो! किसी ने तुमसे कुछ कहा है, उस पर यकीन मत करो। खुद सोचो। इसलिए डरो मत!"

आगे चलकर यही बालक नरेंद्र स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुए।

स्वामी विवेकानंद बचपन से ही निडर और समझदार थे।

—आस्तिक सिन्हा

© NCERT not to be republished